

प्रेषक,

राधा रतूडी
सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

- 1— समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2— समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3— समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।

वित्त (वै०आ०—सा०नि०) अनुभाग—७ देहरादून: दिनांक: १५ दिसम्बर, 2008
विषय: कार्यदायी संस्थाओं द्वारा डिपाजिट आधार पर किये जाने वाले निर्माण कार्यों एवं साज—सज्जा विषयक सैन्टेज प्रभार का निर्धारण।

महोदय,

कृपया उक्त विषयक पत्र संख्या: संख्या: १६३ / xxvii(7) / 2007, दिनांक: २२-५-२००८ का सन्दर्भ ग्रहण करें जिसके माध्यम कार्यदायी संस्थाओं से डिपाजिट के रूप में किये जाने वाले निर्माण कार्यों के समबन्ध में प्रतिशत प्रभार (सैन्टेज चार्जेज) की दर पुनरीक्षित की गई थी। वर्णित पत्र के प्रस्तर-३ में लागत व निर्माण अवधि में वृद्धि को हतोत्साहित करने की व्यवस्था वर्णित की गई है। तदानुसार मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त वर्णित पत्र के प्रस्तर- ३ (३) में इंगित एम०आ०य०० का प्रारूप (हिन्दी व अंग्रेजी दोनों में) एतद संलग्न कर इस आशय से प्रेषित है कि कार्यदायी संस्था के साथ प्रत्येक निर्माण कार्य को आवंटित करते समय इस प्रारूप पर एम०आ०य०० अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

संलग्नक— यथोक्त

भवदीय
(राधा रतूडी)
सचिव

संख्या: ५७५/१/xxvii(7)/2008/तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— महालेखाकार, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
- 2— निदेशक, एन०आई०सी०, देहरादून।

✓

आज्ञा से
(रमेश चन्द्र शर्मा)
संयुक्त सचिव

समझौता ज्ञापन

यह समझौता ज्ञापन एक पक्षकार के रूप में..... (ग्राहक विभाग/संगठन का नाम) के माध्यम से (जिसे यहां एतदपश्चात “ग्राहक” कहा गया है) जिसके अन्तर्गत जब तक संदर्भ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तरावर्ती भी समिलित हैं।

तथा

दूसरे पक्षकार के रूप में..... (निर्माण एजेन्सी का नाम) के माध्यम से (जिसे यहां एतदपश्चात “निर्माण एजेन्सी” कहा गया है) जिसके अन्तर्गत, जब तक संदर्भ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तरावर्ती तथा समनुदेशिती भी समिलित हैं।

के बीच

आज वर्ष..... के..... महीने की..... तारीख को निष्पादित किया गया।

जबकि ग्राहक के प्रस्ताव पर निर्माण एजेन्सी नीचे अधिलिखित शर्तों और निबन्धनों के अधीन निर्माण तथा सम्बन्धित कार्य, जिसे यहां एतदपश्चात “परियोजना” कहा गया है, करने के लिए सहमति हो गई है, जिसकी कुल लागत प्रभार (सेन्टेज प्रभार) तथा समरत अन्य प्रभार सहित) रु0..... (रुपये.....) है।

1. यह सहमति हो गई है कि परियोजना की कुल लागत रुपये..... लाख (रुपये.....) है, जैसा कि शासनादेश सं0..... दिनांक.....

द्वारा जारी प्रशासनिक तथा वित्तीय संस्थीकृति मे निर्दिष्ट है, जिसकी एक प्रति अनुलग्नक सं0 1 के रूप में इस समझौता ज्ञापन के साथ संलग्न है। यह भी सहमति हो गई है कि इस लागत में निर्माण एजेन्सी को देय कुल सेन्टेज प्रभार तथा समरत अन्य प्रभार समिलित हैं। परियोजना से सम्बन्धित सेन्टेज प्रभार समय-समय पर यथासंशोधित शासनादेश सं0 163 / XXVIII(7)/2007 दिनांक 22.05.2008 के अनुसार शासित होंगे। उक्त आदेश की एक प्रति अनुलग्नक सं0 2 के रूप में इस समझौता ज्ञापन के साथ संलग्न है।

2. यह सहमति हो गई है कि प्राकृतिक आपदा के मामलों को छोड़कर परियोजना की प्रगति के विभिन्न चरणों / कार्य पूर्ण किये जाने के लिए निम्नलिखित समयसारणी होगी। विस्तृत संघटकवार समयसारणी / बार चार्ट अनुलग्नक 3 के रूप में यहां संलग्न हैं।

क्र०सं०	मद	दिनांक	महिनों की संख्या
1	परियोजना के प्रारम्भ करने की तारीख ।		प्रारम्भ
2	25 प्रतिशत तक भौतिक प्रगति की प्राप्ति ।	माह
3	50 प्रतिशत तक भौतिक प्रगति की प्राप्ति ।	माह
4	75 प्रतिशत तक भौतिक प्रगति की प्राप्ति ।	माह
5	100 प्रतिशत तक भौतिक प्रगति की प्राप्ति ।	माह
6	तैयार/पूर्ण परियोजना का सौंपा जाना ।	माह

3. ग्राहक उपरोक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट समयसारणी के परिप्रेक्ष्य में भौतिक प्रगति तथा पूर्व में मुक्त निधियों/अन्तिम संवितरण की वित्तीय प्रगति के अनुसार निर्माण एजेन्सी को पर्याप्त धन (निधि) का प्रवाह सुनिश्चित करेगा। निधियों (धन) को मुक्त करने की पूर्व शर्तों के अधीन, जिनका यहां उल्लेख किया गया है, ग्राहक मांग के 30 दिन के अन्दर निधियां मुक्त करना सुनिश्चित करेगा।
4. यदि परियोजना की प्रगति उपरोक्त पैरा 2 में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप नहीं होती है तो ग्राहक निर्माण एजेन्सी से परियोजना वापिस ले सकता है और किसी अन्य एजेन्सी को आवंटित कर सकता है। ऐसी स्थिति में निर्माण एजेन्सी ग्राहक अथवा ऐसी एजेन्सी जिसके लिए ग्राहक निदेश दे, परियोजना 'जहाँ है जैसी है' आधार पर निर्मित भाग और निर्माण सामग्री, औजार तथा संयत्र, डिजाइन, रेखांचित्र तथा अन्य समर्त सामग्री/अभिलेख आदि तत्काल शांतिपूर्वक ग्राहक को लौटा देगी, ताकि निर्माण कार्य /परियोजना के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। ऐसी स्थिति में निर्माण एजेन्सी किसी प्रतिकर तथा/या दावे के, जो भी हो, हकदार नहीं होगी।
5. उपरोक्त पैरा 2,3,4 के प्रयोजन हेतु परियोजना कार्य की निर्माण स्थल पर दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से कम से कम प्रतिमाह समीक्षा की जाएगी और ऐसी समीक्षा का कार्यवृत्त अभिलेख (रिकार्ड) और अग्रेतर उपयोग के लिए संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित होगी। ऐसे पुनरीक्षण (समीक्षा) की रीति ग्राहक द्वारा विनिश्चित की जाएगी।
6. परियोजना और उसके विभिन्न संघटकों के प्रयोजन हेतु अधिप्राप्ति समय-समय पर लागू उत्तराखण्ड शासन की अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार की जाएगी।

7. निर्माण एजेन्सी सृजित परिसम्पत्तियों आदि की निर्माण स्थल पर सुरक्षित रखने, उनकी सुरक्षा और परिरक्षण के लिए पूर्णतः उत्तरदायी होगी तथा सृजित परिसम्पत्तियों को हुई किसी हानि अथवा क्षति की निर्माण एजेन्सी द्वारा क्षतिपूर्ति करनी होगी।
8. निर्माण एजेन्सी सुनिश्चित करेगी कि परियोजना में अपेक्षित/पर्याप्त भूकम्परोधी तकनीकें, डिजाइन तथा संरचनाएं अपनायी गयी हैं।
9. निर्माण एजेन्सी सुनिश्चित करेगी कि पर्याप्त/अपेक्षित वर्षा जल संचय प्रणालियां शामिल की गयी हैं।
10. निर्माण एजेन्सी अपने प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अधिप्रमाणित परियोजना की मासिक भौतिक तथा वित्तीय प्रगति की रिपोर्ट देगी। निर्माण एजेन्सी भौतिक और वित्तीय रिपोर्ट के साथ उसके पास उपलब्ध निधियों तथा प्रतिमाह अर्जित ब्याज का विवरण भी उपलब्ध कराएगी। निर्माण एजेन्सी निर्माण कार्य की प्रगति तथा उसके पास निधि की उपलब्धता के आधार पर कम से कम आगामी चार माह के लिए अपेक्षित मासिक निधि की मांग भी प्रस्तुत करेगी।
11. निर्माण एजेन्सी परियोजना के सम्बन्ध में एक पृथक लेखा/खाता रखेगी तथा परियोजना सौंपने से पहले उसको उपलब्ध करायी गई कुल निधियों, मदवार/कार्यवार व्यय/अर्जित कुल ब्याज तथा परियोजना लेखा के अन्तिम अवशेषों का अधिप्रमाणित विवरण प्रस्तुत करेगी। निर्माण एजेन्सी परियोजना को सौंपने से पहले ग्राहक को अर्जित ब्याज सहित कुल शेष धनराशि लौटायेगी।
12. निर्माण एजेन्सी परियोजना की समस्त सामग्री तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता मानक सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होगी। तदनुसार निर्माण एजेन्सी गुणवत्ता मानक सुनिश्चित करने के लिए प्रख्यात व्यावसायियों/परामर्शदाताओं द्वारा नियतकालिक निरीक्षण सुनिश्चित करेगी तथा इन निरिक्षणों की रिपोर्ट ग्राहक को भी प्रेषित की जाएगी। गुणवत्ता के आश्वासन के लिए निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होते हुए भी ग्राहक अथवा उसके द्वारा या सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति या प्राधिकारी किसी भी समय और समय-समय पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा प्रगति की जांच/अनुश्रवण के लिए निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर सकेगा, जिसके लिए निर्माण एजेन्सी निरीक्षक दल को अपेक्षित सूचना और सहायता प्रदान करेगी। निर्माण एजेन्सी सदैव विस्तृत आकलन, रेखांचित्र, डिजाइन, जांच रिपोर्ट, गुणवत्ता तथा अनुश्रवण रिपोर्ट, सामग्री रजिस्टर/टी0 एण्ड पी0/परियोजना स्थल पर श्रमिक/अभियंन्त्रण कर्मचारी आदि का विवरण उपलब्ध

करायेगी। यदि निर्माण कार्य के दौरान और परियोजना की समाप्ति के बाद निरीक्षण के दौरान कोई त्रुटि या अन्तर दिखायी दे तो निर्माण एजेन्सी द्वारा उन्हें सुधारना होगा। निर्माण एजेन्सी गुणवत्ता अनुश्रवकों (मानीटर्स) की अभियुक्तियों/रिपोर्टों को सुधारने के तथा.....अवधि के अन्दर अनुपालन के लिए भी बाध्यकारी होगी। यदि निर्माण एजेन्सी त्रुटियों/अन्तर को सुधारने में असफल रहती है और/या त्रुटियों की पुनरावृत्ति होती रहती है और त्रुटियां गम्भीर प्रकृति की हैं, तो ग्राहक खण्ड 4 के उपबन्धों के अनुसार कार्य/परियोजना वापस ले सकता है।

यदि निर्माण एजेन्सी द्वारा त्रुटियां सुधारी नहीं जातीं और/या कार्य निर्माण एजेन्सी से वापस लिया जाता है तो ग्राहक निर्माण एजेन्सी से समुचित हरजाना वसूल कर सकता है। यदि निर्माण कार्य के दौरान अथवा निर्माण कार्य की समाप्ति के पश्चात गम्भीर त्रुटियां ग्राहक विभाग के संज्ञान में आती हैं तो निर्माण एजेन्सी ऐसी सूचना प्राप्त होने पर मामले की जांच संस्थित करेगी और दो माह के भीतर दोषी अधिकारियों/पदाधिकारियों का उत्तदायित्व नियत करेगी।

13. त्रुटियों के लिये दायिता अवधि ग्राहक को परियोजना सौंपने की तारीख से 1 वर्ष होगी। निर्माण एजेन्सी ग्राहक द्वारा समय-समय पर सूचित किये जाने वाली त्रुटियां अपने खर्चे पर ग्राहक द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर सुधारेगी। ग्राहक निर्माण अवधि के दौरान भी त्रुटियां सूचित कर सकता है, जिसके लिए त्रुटियों को सुधारने की अवधि वह होगी जो ग्राहक द्वारा अपनी रिपोर्ट में अथवा अन्यथा निर्दिष्ट की जाए।
14. समझौता ज्ञापन में किसी अन्य उपबन्ध के होते हुए भी उपरोक्त पैरा 2 में उल्लिखित प्राविधानों के अनुसार परियोजना के कार्यान्वयन/निर्माण में विलम्ब की दशा में इस परियोजना पर उपरोक्त दिनांक 22.05.2008 के शासनादेश के निम्नलिखित प्राविधान लागू होंगे (जो लागू न हो उसे काट दें)।
 - i. चूंकि परियोजना के पूर्ण करने की अवधि केवल 18 अट्ठारह माह है, इसलिए लागत के पुनरीक्षण की अनुमति बिलकुल नहीं दी जायेगी।
 - ii. उपरोक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट समय सारणी के अनुसार परियोजना को पूर्ण करने या उसकी प्रगति में विलम्ब की स्थिति में 0.1 प्रतिशत प्रतिमाह (3 माह तक के विलम्ब की स्थिति में) अथवा उसके बाद 0.25 प्रतिशत प्रतिमाह की कटौती निर्माण एजेन्सी को देय प्रतिशत प्रभार (सेन्टेज प्रभार) से की जायेगी।

15. भवन/परियोजना ग्राहक के प्राधिकृत व्यक्ति को सौंपी जाएगी। निर्माण एजेन्सी परियोजना सौंपने के समय या उससे पहले ग्राहक को अधिप्रमाणित तथा सम्यक रूप से अनुमोदित विस्तृत आकलन जिसमें पुनरीक्षित आकलन, यदि कोई हो, भी शामिल है, समस्त रेखाचित्र, डिजाइन, भवन/परियोजना में प्रदान की गई सेवा के रेखाचित्र उपलब्ध करायेगी।

16. ग्राहक/उक्त कार्यों में अथवा कार्यों पर निर्माण एजेन्सी के नियोजन में श्रमिक/अन्य व्यक्ति को दुर्घटना अथवा चोट लगने के कारण अथवा निर्माण एजेन्सी, उसके कर्मचारियों अथवा एजेन्ट (एजेंटों) के किसी कार्य, त्रुटि अथवा असावधानी, भूलचूक, गलत निर्णय के कारण हुई हानि, क्षति अथवा प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवधारित प्रतिकर अथवा क्षति के लिए, जैसा कि संगत विधियों में परिभाषित किया जाए, निर्माण एजेन्सी दायी होगी तथा उसे ग्राहक की क्षतिपूर्ति करनी होगी।

निर्माण में त्रुटियों के लिए भी निर्माण एजेन्सी दायी रहेगी और निर्माण में ऐसी त्रुटियों के कारण हुई क्षति की पूर्ति करेगी।

17. यदि कोई विवाद होता है तो उसे विवाद निवारण समिति द्वारा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे निवारण किया जायेगा:-

- प्रमुख सचिव/सचिव ग्राहक विभाग
- विभाग जिसके प्रशासनाधीन निर्माण एजेन्सी है उस विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव।
- वित्त विभाग का प्रतिनिधि।
- नियोजन विभाग का प्रतिनिधि।

समिति का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होगा।

इसके साक्ष्य स्वरूप पक्षकारों ने अपने प्राधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से इस विलेख पर ऊपर सर्वप्रथम उल्लिखित तारीख, माह और वर्ष को हस्ताक्षर किये और अपनी मोहर लगाई।

ग्राहक के लिए और उसकी ओर से

नाम

पदनाम

साक्षी

1.

2.

निर्माण एजेन्सी के लिए और उसकी ओर से

नाम

पदनाम

साक्षी

1.

2.

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

This Memorandum of Understanding is made at.....
on this.....day of,20..... Between the.....
(name of client department/organization).....through
.....(hereinafter referred to as 'Client'), which
expression shall, unless repugnant to the context thereof, include
its successor in office, of the one part.

AND

.....(Name of Construction agency)
through.....(hereinafter referred to as ('Construction
agency')), which expression shall, unless repugnant to the context
thereof, include the successors & assigns, of the other part.

Whereas on the proposal of the Client the Construction
Agency has agreed to do construction and related works of
.....(name of work) having total cost (including the
centage charges and all other charges) of Rs,
(Rupees.....), which hereinafter referred to as the
'Project', as per the terms and conditions laid down here below.

1. it is agreed that the total cost of the Project is Rs.lacs
(Rs.) as indicated in the administrative and financial
sanction issued vide Govt. Order No.,dated.....,
the copy of which is annexed to this MoU as Annexure No. 1. It
is also agreed that the cost includes total centage charges

payable to the Construction Agency as well as all other charges. The centage charges with regard to the Project shall be governed as per the Govt. order No-163/ xxvii(7)/2007, dated : 22-05-2008 or as amended from time to time. A copy of the said order is annexed to this MoU as Annexure No.2.

2. It is agreed that the time schedule and phasing of the progress/completion of the Project except in the cases of force majeure shall be as follows; the detailed component wise time schedule/bar chart is annexed herewith as Annexure No.3. :-

S.No.	Item	Date	No. of months
(i)	Date of start of Project		Start
(ii)	Percentage achievement of physical progress upto 25%		(.....months)
(iii)	Percentage achievement of physical progress upto 50%		(.....months)
(iv)	Percentage achievement of physical progress upto 75%		(.....months)
(v)	Percentage achievement of physical progress upto 100%		(.....months)
(vi)	Handing over of finished and completed project by		(.....months)

3. Client will ensure adequate fund flow to the Construction Agency commensurate with the physical progress as per schedule as indicated in para 2 above and financial progress of

previously released funds/last disbursements. The client will ensure release of funds within thirty days of demand subject to fulfilling the preconditions of fund release as has been mentioned herein

4. If the progress of the Project does not match with the targets set in Para 2 above, than the Client may withdraw the Project back from the Construction Agency and may allot the same to some other agency. In such a case the Construction Agency shall peacefully handover the Project back to the Client, or the Agency to whom the Client may so direct, immediately along with all the constructed portion on 'as is where is' basis and also the building material, tools and plants, designs, drawings and all other material/records etc so that the construction work/implementation of the Project do not get adversely affected. In such a situation the Construction Agency shall not be entitled for any compensation and/or claim whatsoever.

5. For the purpose of the Para-2, 3 and 4 above, the Project work shall be reviewed at least every month jointly by both the parties at the site and the minutes of such review be jointly signed for records and for further use. The modalities for such review shall be decided by the Client.

6. Procurement for the purpose of the Project and its various components shall be done as per the Procurement Rules of the Uttarakhand Govt. as applicable from time to time.
7. The Construction Agency shall be wholly responsible for the safe keeping, security, protection of assets created etc. at the site and any loss or damage to the assets created shall be indemnified by the Construction Agency.
8. The Construction Agency shall ensure that required/adequate earthquake resistant techniques, designs and structures are adopted in the Project.
9. The Construction Agency shall ensure that adequate/required rain water harvesting systems are included in the project.
10. The Construction Agency shall provide monthly physical and financial progress report of the Project which are duly certified by its authorized officer. The Construction Agency shall also provide the details of the funds available with it, and also the interest earned, every month along with the physical and financial progress report. The Construction Agency shall provide monthly fund requirements at least for the next four months based on the progress of the work and fund availability with it.

11. The Construction Agency shall maintain a separate Project account/ledger and shall, prior to the handing over of the Project, provide certified details of total funds made available to it, total item/work wise expenditure, total interest earned and the final balances of Project account. The Construction Agency shall refund all the balance money, including the interest earned, to the Client prior to the handing over of the Project.
12. The Construction Agency shall be responsible for ensuring the quality standards of all the material & works of the Project. Accordingly, the Construction Agency shall ensure periodic inspections by Professionals/Consultants of repute to ensure the quality standards and the reports of these inspections shall be sent to the Client also. Notwithstanding the responsibility of the Construction Agency for assuring quality, the Client or any person(s) or authority on its behalf or on behalf of the Government may inspect the construction work at any time and from time to time for checking the quality and progress of the work/monitoring, for which the Construction Agency shall provide all the information and assistance required by the inspecting team. The Construction Agency shall, at all the time, make available the detailed estimates, drawings, designs, test reports, quality and monitoring reports, register of materials/ T&P/labours/engineering staff etc. at the Project site. If during

the construction and after the conclusion of the Project, any defects or variation are observed during the inspection they will have to be rectified by the Construction Agency. The Construction Agency shall also be obliged to rectify the observations/reports of the quality monitors and give compliance report within period. If the Construction Agency fails to rectify the defects/ variations and/or the defects continue to be repeated and the defects are of serious nature, then the Client may take the work/Project back as per the provisions of clause-4.

In case the defects are not rectified by the Construction Agency and/or the work is withdrawn from the Construction Agency, the Client may recover suitable damages from the Construction Agency.

If during the course of construction or after conclusion of construction serious defects come to the notice of the Client Department the Construction Agency shall on receiving such intimation institute an enquiry into the matter and fix responsibility of the delinquent officers/officials within 02 months

13. The defect liability period shall be one year from the date of handing over the Project to the Client. The Construction Agency shall get the defects, as may be reported by the Client from time to time, rectified at its own cost within the period

the construction and after the conclusion of the Project, any defects or variation are observed during the inspection they will have to be rectified by the Construction Agency. The Construction Agency shall also be obliged to rectify the observations/reports of the quality monitors and give compliance report withinperiod. If the Construction Agency fails to rectify the defects/ variations and/or the defects continue to be repeated and the defects are of serious nature, then the Client may take the work/Project back as per the provisions of clause-4.

In case the defects are not rectified by the Construction Agency and/or the work is withdrawn from the Construction Agency, the Client may recover suitable damages from the Construction Agency.

If during the course of construction or after conclusion of construction serious defects come to the notice of the Client Department the Construction Agency shall on receiving such intimation institute an enquiry into the matter and fix responsibility of the delinquent officers/officials within 02 months

13. The defect liability period shall be one year from the date of handing over the Project to the Client. The Construction Agency shall get the defects, as may be reported by the Client from time to time, rectified at its own cost within the period

specified by the Client. The Client may also report the defects during the construction period for which the defect rectification period shall be as indicated by the Client in its report or otherwise.

14. Notwithstanding any other provision of this MoU, in the case of delay in the implementation/construction of the Project as per the provisions mentioned in para 2 above, the following provisions of the G.O. dated: 22-5-2008, mentioned above, shall apply to this Project:-(cross whichever is not applicable)

- (i) Since the project completion period is upto 18 (Eighteen) months only hence revision of the cost shall not be allowed at all.
- (ii) In case of any delay in completion of the project or its progress as per the schedule indicated in para 2 above, a deduction of 0.1% per month (in case of delay upto three months) or 0.25% per month thereafter in the centage charges, payable to the Construction Agency shall be made.

15. The building/Project shall be handed over to the authorized person of the Client. The construction Agency, at the time of handing over or prior to that, shall provide to the Client certified and duly approved detailed estimates, including revised

estimates if any, all the drawings, designs and drawings of the services provided in the building/Project.

16. The Construction Agency shall remain liable to and shall indemnify the Client, in respect of losses, damages, or compensation arising out of any accident or injury sustained by the Client any workmen in the employment of the Construction Agency while in or upon the said works/any third person or the same arising out of any act, default or negligence, omission and commission, error in judgment on the part of Construction Agency, its employees or its agent(s) subject to the determination of the compensation or damages by the competent authority as defined in the relevant laws. The Construction Agency shall also remain liable for the defects in construction and shall indemnify damages arising out of such defects in construction.

17. Should there be a dispute the same shall be resolved by a Dispute Resolution Committee constituting of the following:-

- (1) Principal Secretary/Secretary of Client Department.
- (2) Principal Secretary/Secretary of the Department under whom administration the Construction Agency belong.
- (3) Representative of Finance Department.
- (4) Representative of Planning Department.

The decision of the committee shall be binding on the Parties.

IN WITNESS WHERE OF parties hereto have set their hands through their authorized representatives on this deed and affixed their seals on date, month and year first above written.

For and on behalf of the
Client.

For and on behalf of the
Construction Agency.

Name and Designation

Name and Designation

Witness

Witness

1.

1.

2.

2.